



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-Section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 77]

नई दिल्ली, बुध्दिवार, फरवरी 22, 1996/फाल्गुन 3, 1917

No. 77]

NEW DELHI THURSDAY, FEBRUARY 22, 1996/PHALGUNA 3, 1917

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1996

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1996.

सा.का.नि. 102(अ).—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन बीमा नियम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1996 होगा।

निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) (संशोधन) नियम, 1996 है।

(2) इसमें इसके पश्चात् अन्यथा यथा उपबंधित के सिवाए, इन नियमों के उपबंध 1 शगस्त, 1992 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

परन्तु जहाँ वर्ग 3 या वर्ग 4 का कोई कर्मचारी, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन के भीतर, उस तारीख से पूर्व किसी तारीख को जिसको उक्त नियम प्रवृत्त होते हैं, इन नियमों के किसी उपबंध से शासित किए जाने का निगम को लिखित रूप में अभिव्यक्त अपने विकल्प को सूचना देता है वहाँ निगम आदेश द्वारा ऐसे कर्मचारी को उक्त तारीख से उक्त नियमों द्वारा शासित होने की अनुज्ञा दे सकेगा :

परन्तु यह और कि ऐसे कर्मचारी को 1 अगस्त, 1992 से विकल्प के लिए इस प्रकार व्ययित तारीख तक का अवधि के लिए कोई बकाया राशि संदेय नहीं होगी।

(3) इन नियमों में अंतर्विष्ट किसी बात से कोई कर्मचारी उतने से अधिक अतिकाल मजदूरी का

हकदार नहीं होगा जितनी की वह नियमों के प्रकाशन के पूर्व हकदार था।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबंधनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 4 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“4. वर्ग 3 कर्मचारियों के वेतनमान और अन्य भत्ते”

(1) वर्ग 3 के कर्मचारियों के वेतनमान निम्नलिखित होंगे:—

अधीक्षक : 3725-215-3940-230-7160 रुपये

उच्चतर श्रेणी सहायक : 2880-155-3345-190-3725-215-3940-230-6700 रुपये।

अनुभाग अधीक्षक : 2510-150-3260-155-3725-215-3940-230-6240 रुपये।

अभिलेख लिपिक : 2425-135-2830-155-3760-200-4160-220-5040-230-5960 रुपये।

सहायक, ऐसे सहायक जो गृहीता 1950-100-2050-120-और संदायकर्ता रोकड़िया, टंकक 2290-135-2830-155-टेलीफोन प्रचालक, कम्प्युटर 3760-200-3960-210-प्रचारक प्रोजेक्शनकर्ता, 4170-230-4860-410-5270-230-5500 रुपये।

माइक्रोप्रोसेसर प्रचालक के रूप में नियुक्त

अभिलेख लिपिक : 1830-60-1950-70-2090-80-2170-100-2760-120-3990 रुपये।

(2) उप नियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमानों के अतिरिक्त निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी 1 अगस्त, 1994 से नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष भत्ता, प्राप्त करेगा जो मंहगाई भत्ता, भविष्य निधि, उषदान आवास किराया भत्ता, और प्रोन्नति पर वेतन के पुनःनिर्धारण के प्रयोजनों के लिए गणना में लिया जाएगा:—

(अ) आंतरिक लेखा परीक्षा सहायकों के रूप में नियुक्त किए गए उच्चतर श्रेणी सहायक

(क) प्रथम पांच वर्ष के लिए—216 रुपये प्रतिमास

(ख) अगले पांच वर्ष के लिए—240 रुपये प्रतिमास

(ग) पश्चात्पूर्व वर्षों के लिए—270 रुपये प्रतिमास

(आ) ऐसा सहायक जो गृहीता और संदायकर्ता रोकड़िया के रूप में नियुक्त किए गए हैं—240 रुपये प्रति मास।

(3) वर्ग 3 में निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारियों को 1 अगस्त, 1994 में कृत्यकारी भत्ता का संदाय किया जाएगा, अर्थात्:—

(क) अभिलेख लिपिक के वेतनमान में बांडा, अनुलिपि और 36 रुपये प्रतिमास 36 रुपये जिरोकस मशीन प्रचालक प्रतिमास

(ब) सहायक के वेतनमान में माइक्रो-प्रोसेसर प्रचालक: 100 रुपये प्रतिमास

(ग) उच्चतर श्रेणी सहायक के वेतनमान में कार्यक्रमक 180 रुपये प्रतिमास

परन्तु ऐसा विद्यमान वर्ग 3 कर्मचारी जो 31 जुलाई, 1992 को कोई कृत्यकारी भत्ता प्राप्त कर रहा है वह उसे तब तक लेता रहेगा जब तक कि ऐसा पद धारण किए हुए है जिससे कृत्यकारी भत्ता संलग्न है और जो भविष्य में मजदूरी पुनरीक्षण करते समय आमेलित किया जाना है।

(4) इन नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी 1 अगस्त, 1994 की पूर्ववर्ती अवधि के लिए उक्त नियमों के उपनियम (2) और उपनियम (3) के उपबन्ध किसी वर्ग 3 कर्मचारी को उसी सीमा तक और उसी रीति से लागू बना रहेगा, मानों कि ये नियम न बनाए गए होते तो उसे लागू होता।”

3. उक्त नियमों के नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्।

“6. वर्ग 4 के अधीनस्थ कर्मचारियों का वेतनमान:—

(1) वर्ग 4 के अधीनस्थ कर्मचारियों का वेतनमान निम्नानुसार होगा:—

डाइरेक्टर 1830-80-2390-100-3590 रुपये

सिपाही हुम्नाल, प्रधान 1600-50-1650-70-2490

चपरासी, लिफ्टमैन और चौकीदार 80-2730-90-2820-100-3020 रुपये

मफाई कर्मचारी और क्लीनर 1540-50-1590-70-2500 80-2900 रुपये

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट वेतनमान के अतिरिक्त:—

(क) निम्नलिखित प्रवर्ग के कर्मचारी 1 अगस्त, 1994 से नीचे विनिर्दिष्ट सीमा तक विशेष वेतन जो सभी प्रयोजनों के लिए गणना में लिया जाएगा, प्राप्त करेगा:—

प्रधान चपरासी, लिफ्टमैन 135 रुपये प्रतिमाह और चौकीदार

(ख) सिपाहों के वेतनमान में फ्रैकिंग मशीन प्रचालक को 24 रुपए प्रतिमास कृत्याकारी भत्ता का सहाय किया जाएगा।

(3) इन नियमों में अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी 1 अगस्त, 1994 से पूर्ववर्ती अवधि के लिए उक्त नियमों के नियम 6 के उपनियम (2) के उपबंधों वर्ग 4 के कर्मचारी को उसी सीमा तक और उसी रीति से लागू रहेगा मानों कि ये नियम न बनाए गए होते तो लागू होता।”

4. उक्त नियमों के नियम 7 के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

“7. वेतनमान के अधिकतम पर पहुँचने के पश्चात् कार्य अभिलेख के समाधानपूर्वक पाए जाने के अधीन रहते हुए:—

(क) कोई कर्मचारी,—

(i) अभिलेख लिपिक के वेतनमान में सहायक या वर्ग 3 में आशुलिपिक

(ii) वर्ग 4 में किसी भी वेतनमान में;

जिसने अपने पर लागू वेतनमान में अधिकतम सेवा की है, उसे ऐसी अधिकतम सेवा पर पहुँचने पर प्रत्येक दो वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर, वेतनमान में उसके द्वारा ली गई अंतिम वेतन वृद्धि के बराबर ऐसी अधिकतम चार वेतनवृद्धि के अध्याधीन रहते हुए, अतिरिक्त वेतनवृद्धि दी जा सकेगी :

परन्तु कोई कर्मचारी तीसरी ऐसी वेतनवृद्धि प्राप्त करने या 1 अगस्त, 1994 के पश्चात् दो वर्ष की अवधि पूरी किए जाने से पूर्व, जो भी पश्चात्-वर्ती हो, ऐसी चौथी वेतनवृद्धि का हकदार नहीं होगा।

(ख) अनुभाग अध्यक्ष या उच्चतर श्रेणी के सहायक के वेतनमान में किसी कर्मचारी को जो, वेतनमान में अधिकतम सीमा तक पहुँच गया है ऐसी अधिकतम सीमा तक पहुँच जाने के पश्चात् पूरे किए गए सेवा के प्रत्येक तीन वर्ष के लिए वेतनमान में उसके द्वारा प्राप्त की गई अंतिम वेतन वृद्धि के बराबर एक और वेतनवृद्धि स्वीकार की जा सकती है किन्तु ऐसी वेतनवृद्धि तीन से अधिक नहीं होगी :

परन्तु यह कि कोई कर्मचारी, जो 1 अगस्त, 1994 को ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि लेने के पश्चात् तीन वर्ष की अवधि पूरी होने से पहले जो भी पश्चात्-वर्ती हो तीसरी ऐसी वेतनवृद्धि लेने का पात्र नहीं होगा।

(ग) अधीक्षक के वेतनमान का कोई कर्मचारी जो वेतनमान में अधिकतम सीमा तक पहुँच गया है। ऐसी अधिकतम सीमा तक पहुँचने के पश्चात् या 1 अगस्त, 1994 को उसके द्वारा वेतनमान में ली गई अंतिम वेतनवृद्धि के बराबर एक अतिरिक्त वेतनवृद्धि मंजूर की जा सकेगी :

परन्तु यह कि जहाँ किसी कर्मचारी को उसकी यथा-स्थिति अंतिम वेतनवृद्धि या अतिरिक्त वेतनवृद्धि की तारीख में या 1 अगस्त, 1994 से (ऐसी अंतिम वेतनवृद्धि की तारीख या ऐसी अंतिम अतिरिक्त वेतनवृद्धि या 1 अगस्त, 1994 को जिसे इसमें इसके पश्चात् “मुसंगत तारीख” कहा गया है) सेवा के दो या तीन वर्ष की समाप्ति पर खंड (क) या खंड (ख) या खंड (ग) में निर्दिष्ट अंतिम वेतनवृद्धि स्वीकार नहीं की जाती है तो वहाँ उसका मामला प्रत्येक कलेंडर वर्ष के उस मास के जिसमें वह उस वर्ष में सेवा के बारह मास मुसंगत तारीख से गणना के रूप में या ऐसे पुनरावलोकन की तारीख से जितने समय तक वह ऐसी अतिरिक्त वेतनवृद्धि के लिए अनुज्ञात नहीं किया गया, है, पूरा करता है, और यदि वेतनवृद्धि मंजूर कर ली जाती है तो ऐसी वेतनवृद्धि उस मास की पहली तारीख से होगी जिसमें उस कलेंडर वर्ष में जिसमें कि वेतनवृद्धि देने का विनिश्चय किया जाता है उसका मामला पुनरावलोकन योग्य हो जाता है।

स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिए, अतिरिक्त वेतनवृद्धि अनुज्ञात करने के लिए सक्षम प्राधिकारी, कर्मचारी विनियमन की अनुसूची 1 में निर्दिष्ट नियुक्ति प्राधिकारी होगा।”

5. उक्त नियम के नियम 8 में,—

(क) उपनियम (1) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारियों के संग्रहीत भत्ते का मापमान निम्नलिखित रूप में अवधारित किया जाएगा:—

सूचकांक—	औद्योगिक कर्मचारियों का अखिल भारतीय औसत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
आधार—	1960 = 100 की शृंखला में सूचकांक संख्या 1148
दर—	अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के 1147 अंकों से ऊपर वार्षिक औसत में प्रत्येक चार अंकों के लिए 1148 अंकों तक वर्ग 3 या वर्ग 4 के कर्मचारियों को

निम्नलिखित दर पर महंगाई भत्ता संश्लेष किया जाएगा :

वर्ग 3 के कर्मचारी :—

वेतन—प्रत्येक 4 बिंदुओं के लिए महंगाई भत्ता की दर

- |                               |   |
|-------------------------------|---|
| (1) 4800 रुपए तक              | वेतन का 0.35 प्रतिशत  |
| (2) 4801 रुपए से 7700 रुपए तक | 4800 रुपए का 0.36 प्रतिशत धन रुपए 4800 रुपए से अधिक वेतन का 0.29 प्रतिशत                                  |
| (3) 7701 रुपए और अधिक         | 4800 रुपए का 0.35 प्रतिशत धन 7700 रुपए और 4800 रुपए के बीच अंतर धन 7700 रुपए से अधिक वेतन का 0.17 प्रतिशत |

वर्ग 4 के कर्मचारी : वेतन का 0.35 प्रतिशत

स्वष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए वेतन से अभिप्रेत है—

- (1) 1 अगस्त, 1994 से पूर्व की अवधि के लिए नियम 7 में निर्दिष्ट मूल वेतन और जिसके अन्तर्गत मूल वेतन के लिए अतिरिक्त राशि भी है ;
- (2) 1 अगस्त, 1994 को या उसके पश्चात् की अवधि के लिए—
  - (क) नियम 7 में निर्दिष्ट मूल वेतन और जिसके अन्तर्गत मूल वेतन के लिए अतिरिक्त राशि भी है ;
  - (ख) नियम 4 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ;
  - (ग) नियम 6 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ;
  - (घ) यथास्थिति, नियम 19क के उपनियम (2) और उपनियम (3) या नियम 19ख के उपनियम (3) में निर्दिष्ट स्नातक भत्ता, और
  - (ङ) भारतीय जीवन बीमा निगम के वर्ग 3 कर्मचारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) नियम, 1988 के, यथास्थिति, नियम 2 या नियम 4 में निर्दिष्ट के नियम 4 में विशेष भत्ता, या
  - (च) उपनियम (2) में "600-604-608-612 के क्रम में 600 अंक" अंक और शब्दों के स्थान पर "1148-1152-1156-1160 के क्रम में 1148 अंक" अंक और शब्द रखे जाएंगे ।

6. उक्त नियमों के नियम 9 में, उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

- (1) "वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के लिए उनके सिवाय जिन्हें कर्मचारी आवास आवंटित कर दिया गया है, मकान किराया भत्ता निम्नलिखित रूप में होगा :—

तैनाती का स्थान

दर

- (1) वे शहर जिनकी आबादी वेतन का 12 प्रतिशत 12 लाख से अधिक है ।
- (2) कोई अन्य स्थान वेतन का 10 प्रतिशत

स्वष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिए नियम 18 और नियम 19, 'वेतन' से अभिप्रेत है,—

- (1) 1 अगस्त, 1994 से पूर्ववर्ती अवधि के लिए—

- (क) नियम 7 में निर्दिष्ट मूल वेतन और मूल वेतन के अन्तर्गत अतिरिक्त राशि भी है ;
- (ख) नियम 4 के उपनियम (4) के साथ पठित उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ते का 90 प्रतिशत ;
- (ग) नियम 6 के उपनियम (3) के साथ पठित उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ;
- (घ) यथास्थिति नियम 19क के उपनियम, (5) के साथ पठित उपनियम (2) या उपनियम, (3) या नियम 19ख के उपनियम (6) के साथ पठित उपनियम (3) में निर्दिष्ट स्नातक भत्ते का 90 प्रतिशत ;

- (2) 1 अगस्त, 1994 को या उसके पश्चात् की अवधि के लिए—

- (क) नियम 7 में निर्दिष्ट मूल वेतन और मूल वेतन के अन्तर्गत अतिरिक्त राशि भी है ;
- (ख) नियम 4 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ;
- (ग) नियम 6 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ;
- (घ) यथास्थिति नियम 19क के उपनियम (2) और उपनियम (3) या नियम 19ख के उपनियम (3) में निर्दिष्ट स्नातक भत्ता ; और
- (ङ) नियम 2 में निर्दिष्ट विशेष भत्ता या यथास्थिति, भारतीय जीवन बीमा निगम (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) नियम, 1988 के नियम 4 में निर्दिष्ट विशेष भत्ता ।

टिप्पणी :— इस नियम और नियम 10 के प्रयोजन के लिए—

- (1) आबादी के आंकड़े वे होंगे जो 1991 की जन-गणना में दिए गए हैं;
- (2) नगरों में उनकी नगर स्थितियाँ सम्मिलित हैं।”

7. उक्त नियमों के नियम 10 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा और 1 अगस्त, 1983 से प्रतिस्थापित समझा जाएगा, अर्थात् :—

“10. नगर प्रतिकरात्मक भत्ता :

- (1) वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों का देय नगर प्रतिकरात्मक भत्ते का मापमान निम्नलिखित रूप में होगा :

तैनाती का स्थान	दर
(i) वे नगर जिनकी आबादी 12 लाख से अधिक है, फरीदाबाद, गजियाबाद, नोएडा, गोआ, राज्य में कोई नगर, गुड़गांव, वाशि और गांधीनगर, नगरियाँ।	के लिए न्यूनतम 100 रुपए प्रतिमास के अधीन रहते हुए और वर्ग 3 कर्मचारियों के लिए 200 रुपए प्रतिमास अधिकतम के अधीन रहते हुए मूल वेतन का 4.5 प्रतिशत।
(ii) वे नगर जिनकी आबादी 5 लाख और अधिक लेकिन 12 लाख से कम है, 12 लाख से अनधिक आबादी वाले राज्य की राजधानियाँ, चण्डीगढ़, मोहाली, पान्डीवेरी, पोट्टे ब्लेयर, और पंचकुला नगर।	वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारियों के लिए न्यूनतम 75 रुपए प्रतिमास के अधीन रहते हुए, मूल वेतन का 3.5 प्रतिशत और वर्ग 3 के कर्मचारियों के लिए 150 रुपए प्रतिमास अधिकतम।

परन्तु जहाँ वर्ग 3 और वर्ग 4 के कर्मचारी 1 अप्रैल, 1983 से ठीक पहले नगर प्रतिकरात्मक भत्ते के रूप में 20 रुपए प्रतिमास की रकम प्राप्त करता रहा है तो ऐसा कर्मचारी उक्त रकम को निरंतर तब तक प्राप्त करेगा जब तक कि वह भविष्य में वेतन पुनरीक्षण में शामिल किए जाने के लिए उसी स्थान में तैनात है।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, नियम 4 के उपनियम (1) और नियम 6 के उपनियम (1) के उपबंध 1 अगस्त, 93 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।”

8. उक्त नियमों के नियम 11 में,—

- (क) स्तंभ (2) की प्रविष्टि (i) के सामने “7 प्रतिशत” अंक और शब्दों के स्थान पर “4 प्रतिशत” अंक और शब्द रखे जाएंगे;

- (ख) स्तंभ (2) में, प्रविष्टि (ii) और प्रविष्टि (iii) के सामने दोनों स्थानों पर “5 प्रतिशत” अंक और शब्द के स्थान पर “3 प्रतिशत” अंक और शब्द क्रमशः रखे जाएंगे।

9. उक्त नियमों के नियम 15 में, उपनियम (1क) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

- “(1क) जहाँ 5270 रुपए या उससे अधिक प्रतिमास का मूल वेतन पाने वाले सहायक के वेतनमान के किसी कर्मचारी को उच्चतर श्रेणी सहायक के पद पर प्रोन्नत किया जाता है, वहाँ इस नियम या कर्मचारिवृन्द विनियम में किसी बात के होते हुए भी ऐसे कर्मचारी का मूल वेतन उच्चतर वेतनमान में नीचे की सारणी में उपदर्शित के अनुसार नियत किया जाएगा :—

सारणी	
सहायक के वेतनमान में मूल वेतन	उच्चतर श्रेणी सहायक के वेतनमान में मूल वेतन
(1) 5270 रुपए प्रतिमास	5320 रुपए प्रतिमास
(2) 5500 रुपए प्रतिमास	5550 रुपए प्रतिमास
(3) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष में कम से कम 5730 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	5780 रुपए प्रतिमास
(4) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 5730 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6010 रुपए प्रतिमास
(5) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष से कम के लिए 5960 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6010 रुपए प्रतिमास
(6) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 5960 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6240 रुपए प्रतिमास
(7) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे कम के लिए 6190 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6240 रुपए प्रतिमास
(8) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे अधिक के लिए 6190 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6470 रुपए प्रतिमास
(9) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या उससे कम के लिए 6420 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6470 रुपए प्रतिमास
(10) जहाँ कर्मचारी द्वारा एक वर्ष या अधिक के लिए 6420 रुपए प्रतिमास लिया गया है।	6700 रुपए प्रतिमास

टिप्पण : सारणी की मद (iii) से मद (10) में उल्लिखित मूल वेतन, किसी कर्मचारी द्वारा नियम 7 में निर्दिष्ट, मूल वेतन के लिए अतिरिक्त राशि की मंजूरी के पश्चात् लिया गया मूल वेतन उपदर्शित करता है।”

10. उक्त नियमों के नियम 18 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा और उसे 1 नवम्बर, 1993 से प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“18. भविष्य निधि :

- (1) किसी परिवीक्षाधीन कर्मचारी या अस्थायी आधार पर नियुक्त किए गए कर्मचारी या ओरियंटल गवर्नमेंट सेक्युरिटी लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड का कोई स्थानान्तरित कर्मचारी, जो उस कंपनी के पेंशन निधि को अभिदाय कर रहा है, अपने वेतन के दस प्रतिशत की दर पर निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि को प्रत्येक मास अभिदाय करेगा। निगम, प्रत्येक ऐसे कर्मचारी को वास्तविक अभिदाय के बराबर लेकिन कर्मचारी के अभिदाय से अतिरिक्त, रकम का अभिदाय भविष्य निधि में करेगा।

परन्तु निगम से भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1995 द्वारा शासित कर्मचारियों के भविष्य निधि में अभिदाय करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

(2) ओरियंटल गवर्नमेंट सेक्युरिटी लाइफ इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड के स्थानान्तरित कर्मचारी, जो कि इस कंपनी की पेंशन निधि में अभिदाय कर रहे हैं, जिसे उपांतरणों सहित ऐसे कर्मचारियों के लिए ही एक पृथक निधि के रूप में बनाए रखा गया है, उस निधि को लागू नियमों के अनुसार पेंशन पाने के हकदार होंगे।

(3) तथापि उप-नियम (2) में निर्दिष्ट कर्मचारियों को निगम द्वारा स्थापित भविष्य निधि में अभिदाय करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकता है किन्तु निगम से ऐसे कर्मचारियों की बाबत भविष्य निधि में अभिदाय करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

स्पष्टीकरण:—

इस नियम के प्रयोजन के लिए नियम 4 के उपनियम (1) और नियम 6 के उपनियम (1) के उपबन्ध 1 नवम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

11. उक्त नियमों के नियम 19क में 1 अगस्त 1994 से ही—

- (i) उपनियम (1) में खण्ड (ग) में “80/- रु. प्रति मास” अंकों और शब्दों के स्थान पर

“96/- रु. प्रति मास” अंक और शब्द रखे जाएंगे,

- (ii) उप नियम (2), खण्ड (क) और खण्ड (ख) में “65 /- रु. प्रति मास” और “130/- रु. प्रति मास” अंकों और शब्दों के स्थान पर क्रमशः “78/- रु. प्रति मास” और “156 /- रु. प्रति मास” अंक और शब्द रखे जाएंगे,

- (iii) उप नियम (3) में “130/- रु. प्रति मास” अंकों और शब्दों के स्थान पर “156/- रु. प्रति मास” अंक और शब्द रखे जाएंगे,

- (iv) उप नियम (4) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(4) स्नातक भत्ते को मूल वेतन का भाग नहीं माना जाएगा : परन्तु सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में के किसी कर्मचारी के स्नातक भत्ते की प्रोन्नति पर उसके महंगाई भत्ते, भविष्यनिधि उपदान, मकान किराया भत्ते और वेतन का पुनः नियतन करने के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।”

“(5) इन नियमों में अन्तर्निहित किसी बात के होते हुए भी, 1 अगस्त 1994 की पूर्वगामी अवधि के लिए उक्त नियम के नियम 19क के उपनियम (2), उपनियम (3) और उपनियम (4) के उपबन्ध सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान में के किसी कर्मचारी की उसी विस्तार तक और उसी रीति में लागू रहेंगे, मानो कि वे तब लागू होते जब ये नियम न बनाए गए होते।

12. उक्त नियमों के नियम 19ख में 1 अगस्त 1994 से ही—

- (i) उपनियम (3) और उसके परन्तुक में “65 रु./- प्रति मास” और “130/- रु. प्रति मास” अंकों और शब्दों के स्थान पर क्रमशः “78/- रु. प्रति मास” और “156/- रु. प्रति मास” अंक और शब्द रखे जाएंगे।

- (ii) उपनियम (4) के लिए, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(4) स्नातक भत्ते को मूल वेतन का भाग नहीं माना जाएगा : परन्तु सहायक या आशुलिपिक के वेतनमान के किसी कर्मचारी के स्नातक भत्ते के, प्रोन्नति पर उसके महंगाई भत्ते, और वेतन का पुनः नियतन करने के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

- (6) इन नियमों में अन्तर्निहित किसी बात के होते हुए भी, 1 अगस्त 1994 की पूर्वगामी अवधि के

लिए उक्त नियमों में नियम 19ख के उपनियम (3) और उपनियम (4) के उपबंध महायक या आयुलिपिक के वेतनमान के किसी कर्मचारी को उसी विस्तार तक और उस रीति में लागू रहेगे मानो कि वे और उसी रीति में तब लागू होते जब ये नियम न बनाए गए होते।

13. उक्त नियमों के नियम 19 ग के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा और यह 1 नवम्बर, 1993 से अन्तः स्थापित किए गए समझे जाएंगे, अर्थात्:—

“19घ. नियत वैयक्तिक भत्ता :

- (1) वर्ग 3 और वर्ग 4 के किसी कर्मचारी को जो उसे लागू वेतनमान में या 1 नवम्बर 1993 को नियम 7 में निर्दिष्ट एक या उससे अधिक वेतन वृद्धियां प्राप्त कर रहा है, कम्प्यूरीकरण के मद्दे 1 नवम्बर 1993 को उसे लागू वेतनमान में उसके द्वारा ली गई अन्तिम वेतन वृद्धि की संकलित रकम के बराबर नियत वैयक्तिक भत्ता 1 नवम्बर, 1993 के और उस पर महंगाई भत्ता तथा मकान किराया भत्ता, यदि कोई हो, संदत्त किया जाएगा।
- (2) वर्ग 3 और वर्ग 4 के किसी कर्मचारी के, जो कम्प्यूटीकरण के मद्दे वेतनवृद्धि ले रहा है और जो उसे लागू वेतनमान के अधिकतम राशि तक पहुंच चुका है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट वेतनमान की अधिकतम राशि पर पहुंचने के पश्चात् 1 वर्ष की अवधि की समाप्ति पर वैयक्तिक भत्ता संदाय किया जाएगा।
- (3) किसी कर्मचारी द्वारा प्राप्त किया जाने वाला वैयक्तिक भत्ता, उसके द्वारा 1 नवम्बर, 1993 के वेतनमान में ली गई अन्तिम वेतनवृद्धि की रकम से अधिक नहीं होगा और उसे भविष्य निधि उपदान के प्रयोजन के लिए तथा भारतीय जीवन बीमा निगम (कर्मचारी) पेंशन नियम, 1955 के अधीन संदेय पेंशन के प्रयोजन के लिए गणना में लिया जाएगा।

14. उक्त नियमों के नियम 19घ के बाद इस प्रकार अन्तः स्थापित नियमों के पश्चात् 1 अगस्त, 1994 से निम्नलिखित नियम अन्तः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:—

“19. इ. बाहन भत्ता :

- (1) प्रत्येक वर्ग 3 या वर्ग 4 के प्रत्येक कर्मचारी को अस्थाई आधार पर नियुक्त कर्मचारी से भिन्न, एक सौ रुपए प्रतिमास की दर से बाहन भत्ता संदत्त किया जाएगा।

[फा. सं. 2(3)/आई. एन. एस. III/96]]

सी. एम. राव, संयुक्त सचिव (बीमा)

स्पष्टीकारक भाषण

केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचना में उल्लिखित तारीखों में भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों की सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण करने के लिए अनुमोदन कर दिया है। तदनुसार भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा के निबन्धनों और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम 1985 को इस अधिसूचना में उल्लिखित तारीख में संशोधित किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम को किसी कर्मचारी पर अधिसूचना की भूतलक्षी प्रभाव दिए जाने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाद टिप्पण—मूल नियम सा. का. नि. 357(अ) तारीख 11-4-85 द्वारा प्रकाशित किए गए थे। नवम्बरान् निम्नलिखित द्वारा संशोधित किए गए:—

सा. का. नि. 18(अ) तारीख 7-1-1986 सा. का. नि. 2076 (अ) तारीख 11-9-1986 सा. का. नि. 961(अ) तारीख 7-12-1987 ता. का. नि. 870(अ) और 873(अ) दोनों तारीख 22-8-1988 सा. का. नि. 515(अ) तारीख 12-5-1989 सा. का. नि. 509(अ) तारीख 24-5-1990 सा. का. नि. 620(अ) तारीख 6-7-1990 सा. का. नि. 628(अ) तारीख 10-7-1990 सा. का. नि. 338(अ) तारीख 11-7-1991 सा. का. नि. 697 (अ) तारीख 25-11-1991 सा. का. नि. 46 (अ) तारीख 4-2-1993 सा. का. नि. 47(अ) तारीख 4-2-1993 सा. का. नि. 746(अ) तारीख 13-12-1993 सा. का. नि. 55 (अ) तारीख 2-2-1994 सा. का. नि. 595(अ) 30-6-1995 और सा. का. नि. 669(अ) तारीख 27-9-1995

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## INSURANCE DIVISION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd February, 1996

## LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVISION OF TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE) AMENDMENT RULES, 1996

G.S.R. 102(E).—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of

Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title, commencement and application :

(1) These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) (Amendment) Rules, 1996.

(2) Save as otherwise provided hereinafter, the provisions of these rules shall be deemed to have come into force on the 1st day of August, 1992.

Provided that where any Class III or Class IV employee gives a notice in writing to the Corporation, within thirty days of the publication of these rules in the Official Gazette, expressing his option to be governed by the provisions of any of these rules from a date not earlier than the date on which the said rules comes into force, then the Corporation may, by order, permit such employee to be governed by the said rule with effect from the said date :

Provided further that no arrears for the period from the 1st day of August, 1992 to the date so chosen shall be payable to such employee.

(3) Nothing contained in these rules shall entitle an employee to claim overtime wages higher than what he had been entitled to prior to the publication of these rules.

2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as "the said rules"), for rule 4, the following rule shall be substituted, namely :—

"4. Scales of pay and other allowances of Class III employees :

(1) The scales of pay of class III employees shall be as under :—

Superintendents : Rs. 3725-215-3940-230-7160.

Higher Grade Assistants : Rs. 2880-155-3345-190-3725-215-3940-230-6700.

Section Heads : Rs. 2510-150-3260-155-3725-215-3940-230-6240.

Stenographers : Rs. 2425-135-2830-155-3760-200-4160-220-5040-230-5960.

Assistants, Assistants appointed as Receiving and paying Cashiers, Typists, Telephone Operators, Comptometer Operator, Projectionists, Microprocessor Operators : Rs. 1950-100-2050-120-2290-135-2830-155-3760-200-3060-210-4170-230-4860-410-5270-230-5500.

Record Clerks : Rs. 1830-60-1950-70-2090-80-2170-100-2670-120-3990.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1), with effect from the 1st day of August, 1994, the following categories of employees shall receive a special allowance to the extent specified below, which shall count for the purpose of calculation of dearness allowance, provident fund, gratuity, house rent allowance and for re-fixation of salary on promotion :—

(A) Higher Grade Assistants appointed as Internal Audit Assistants :

(a) for the first five years—Rs. 216 per month.

(b) for the next five years—Rs. 240 per month.

(c) for the subsequent years—Rs. 270 per month.

(B) Assistants appointed as Receiving and Paying Cashier.—Rs. 210 per month.

(3) Functional allowance shall be paid to the following categories of employees in Class III with effect from the 1st day of August, 1994, namely :—

(a) Banda, Duplicating and Xerox Machine Operators in the scale of pay of Record Clerks : Rs. 36 per month.

(b) Microprocessor Operators in the scale of pay of Assistants : Rs. 100 per month.

(c) Programmers in the scale of pay of Higher Grade Assistants : Rs. 180 per month.

Provided that an existing Class III employee who is in receipt of any functional allowance as on the 31st day of July, 1992 shall continue to draw the same so long as he is holding the post to which the functional allowance is attached, to be absorbed in future wage revision.

(4) Notwithstanding anything contained in these rules, for the period preceding 1st day of August, 1994, the provisions of sub-rule (2) and sub-rule (3) of rule 4 of the said rules shall continue to be applicable to a Class III employee to the same extent and in the same manner as they would have been applicable to him, had these rules not been made."

3. For rule 6 of the said rules the following shall be substituted, namely :—



**"6. Scales of pay of Class IV subordinate employees—**

(1) The scales of pay of Class IV subordinate employees shall be as under :—

Drivers : Rs. 1830-80-2390-100-3590.

Depoys, Hamals, Head Peons, Liftmen and Watchmen—Rs. 1600-50-1650-70-2490-80-2730-90-2820-100-3022.

Sweepers and Cleaners : Rs. 1540-50-1590-70-2500-80-2900.

(2) In addition to the scales of pay specified in sub-rule (1).

(a) with effect from the 1st day of August, 1994 the following categories of employees shall receive special allowance, to the extent specified below, which shall count as basic pay for all purposes :—

Head Peons, Liftmen and Watchmen : Rs. 135 per month.

(b) Franking Machine Operators in the scale of pay of Sepoys shall be paid a functional allowance of Rs. 24 per month.

(3) Notwithstanding anything contained in these rules, for the period preceding the 1st day of August, 1994, the provisions of sub-rule (2) of rule 6 of the said rules shall continue to be applicable to a Class IV employee to the same extent and in the same manner as they would have been applicable to him had these rules not been made."

4. For rule 7 of the said rules, following shall be substituted, namely :—

"7. Addition to basic pay after reaching maximum of scales : Subject to the work record being found satisfactory,—

(a) an employee,—

(i) in the scale of Record Clerk, Assistant or Stenographer in Class III;

(ii) in any of the scale in Class IV; who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him may be granted for every two completed years of service after reaching such maximum, an additional increment equal to the last increment drawn by him in the scale of pay subject to a maximum of four such increments :

Provided that no employee shall be entitled to the fourth such increment before the completion of two

years after drawing the third such increment or the 1st day of August, 1994, whichever is later;

(b) an employee in the scale of Section Head or Higher Grade Assistant who has reached the maximum of the scale, may be granted for every three completed years of service after reaching such maximum, an additional increment equal to the last increment drawn by him in the scale of pay, subject to a maximum of three such increments :

Provided that no employee shall be entitled to the third such increment before the completion of three years after drawing the second such increment or the 1st day of August, 1994, whichever is later;

(c) an employee in the scale of Superintendent, who has reached the maximum of the scale, may be granted one additional increment equal to the last increment drawn by him in the scale of pay, on completion of three years of service after reaching such maximum or the 1st day of August, 1994, whichever is later :

Provided that where an employee is not granted additional increment referred to in clause (a) or clause (b) or clause (c) at the end of the two years or three years of service from the date of his last increment or the last such additional increment, or, as the case may be, from the 1st day of August, 1994, (such date of last increment or the last such additional increment or the 1st day of August, 1994 being herein-after referred to as "the relevant date") his case shall fall due for review in each calendar year in the month following that in which he completes twelve months of service as reckoned from the relevant date, or from the date of such review so long as he has not been allowed such additional increment, and if it is decided to allow the increment, it shall take effect from the first of the month in which the review has fallen due in the calendar year in which the decision is taken to allow the increment.

Explanation.—For the purpose of this rule, the competent authority to allow the additional increment shall be the appointing authority specified in Schedule I to the Staff Regulations."

5. In rule 8 of the said rule,—

(a) For sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) The scales of dearness allowance of Class III and Class IV employees shall be determined as under :—

Index:—All India Average Consumer Price Index Number for Industrial Workers.

Base : Index No. 1148 in the series 1960=100.

Rate : For every four points in the quarterly average of the All India Consumer Price Index above 1148 points, a Class III or a Class IV employee shall be paid dearness allowance at the following rates:—

Class III employees :—

Pay	Rate of dearness allowance for every 4 points
(i) Upto Rs. 4800	: 0.35% of pay
(ii) Rs. 4801 to 7700	: 0.35% of Rs. 4800 plus 0.29% of pay in excess of Rs. 4800
(iii) Rs. 7701 to above	: 0.35% of Rs. 4800 plus 0.29% of difference between Rs. 7700 and Rs. 4800 plus 0.17% of pay in excess Rs. 7700

Class IV employees : 0.35% of pay.

Explanation.—For the purpose of this rule “pay” means:—

- (i) for the period preceding the 1st day of August, 1994—basic pay including additions to basic pay, referred to in rule 7 ;
- (ii) for the period on or after the 1st day of August, 1994:—
  - (a) basic pay including additions to basic pay, referred to in rule 7,
  - (b) special allowance referred to in sub-rule (2) of rule 4,
  - (c) special allowance referred to in sub-rule (2) of rule 6;
  - (d) graduation allowance referred to in sub-rules (2) and (3) of rule 19A or, as the case may be, sub-rule (3) of rule 19B; and

(e) special allowance referred to in rule 2 or, as the case may be, in rule 4 of the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for Passing Examination) Rules, 1988.”;

(b) in sub-rule (2), for the figures and words “600 points in the sequence 600-604-608-612”, the figures and words “1148 points in the sequence 1148-1152-1156-1160” shall be substituted.

6. In rule 9 of the said rules, for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) The scales of house rent allowance of Class III and Class IV employees, except those who have been allotted staff quarters, shall be as under :—

Place of posting	Rate
(i) cities with population exceeding 12 lacs	: 12% of pay
(ii) any other place	: 10% of pay

Explanation : For the purpose of this rule, rule 18 and rule 19, “pay” means,—

- (i) for the period preceding the 1st day of August, 1994—
  - (a) basic pay including additions to basic pay, referred to in rule 7,
  - (b) 90 per cent of the special allowances referred to in sub-rule (2), read with sub-rule (4) of rule 4;
  - (c) special allowance referred to in sub-rule (2), read with sub-rule (3) of rule 6; and
  - (d) 90 per cent of the graduation allowance referred to in sub-rule (2) or sub-rule (3), read with sub-rule (5) of rule 19(A) or, as the case may be, sub-rule (3), read with sub-rule (6) of rule 19B ;
- (ii) for the period on or after the 1st day of August, 1994—
  - (a) basic pay including additions to basic pay referred to in rule 7,
  - (b) special allowance referred to in sub-rule (2) of rule (4),
  - (c) special allowance referred to in sub-rule (2) of rule 6,
  - (d) graduation allowance referred to in sub-rules (2) and (3) of rule 19A or, as the case may be, sub-rule (3) of rule 19B; and
  - (e) special allowance referred to in rule 2 or, as the case may be, in rule 4 of the Life Insurance Corporation of India Class III Employees (Special Allowance for Passing Examination) Rules, 1988.

Notes : For the purpose of this rule and rule 10 :—

- (i) the population figures shall be those in the 1991 Census Report;
- (ii) cities shall include their urban agglomerations.”

7. For rule 10 of the said rules, the following rule shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from 1st day of August, 1993, namely :—

**"10. City compensatory allowance :**

(1) The scales of city compensatory allowance payable to Class III and Class IV employees shall be as under :

Place of posting	Rate
(i) Cities with population exceeding 12 lacs, Faridabad, Ghaziabad, Noida, any city in the State of Goa, cities of Gurgaon, Vashi and Gandhinagar.	4.5% of basic pay for Class III and Class IV employees subject to a minimum of Rs. 100 per month and a maximum of Rs. 200 per month, for Class III employees.
(ii) Cities with population of 5 lacs and above but not exceeding 12 lacs, State Capitals with population not exceeding 12 lacs, Chandigarh Mohali, Pondicherry, Port Blair, and the city of Panchkula.	3.5% of basic pay for class III and Class IV employees subject to a minimum of Rs. 75 per month and maximum of Rs. 150 Rs. per month, for Class III employees.

Provided that where any Class III or Class IV employee is in receipt of an amount of Rs. 20 per month as city compensatory allowance immediately before the 1st day of April, 1983, such employee shall continue to receive the said amount so long as he is posted at the same place, to be absorbed in future wage revision.

Explanation.—For the purpose of this rule, the provisions of sub-rule (1) of rule 4 and sub-rule (1) of rule 6 shall be deemed to have come into force as on the 1st day of August, 1993."

**8. In rule 11 of the said rules—**

- against entry (i) in column (2) for the figure and words "7 per cent" the figure and words "4 per cent" shall be substituted ;
- against entries in (ii) and (iii) in column (2) for the figure and words "5 per cent" at both the places, the figure and words "3 per cent" shall be substituted respectively.

9. In rule 15 of the said rules, for sub-rule (1A), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

"(1A) When an employee in the scale of pay of Assistant drawing a basic pay of Rs. 5270 or more per month is promoted to the post of Higher Grade Assistant, then notwithstanding anything contained in this rule or in the Staff Regulations, the basic pay of such employee shall be fixed in the higher scale as shown in the Table below :—

TABLE

Basic pay in the scale of pay of Assistant	Basic pay in the scale of pay of Higher Grade Assistant
(i) Rs. 5270 per month	Rs. 5320 per month
(ii) Rs. 5500 per month	Rs. 5550 per month
(iii) Rs. 5730 per month, where drawn by the employee for less than one year	Rs. 5780 per month

(iv) Rs. 5730 per month, where drawn by the employee for one year or more.

(v) Rs. 5960 per month, where drawn by the employee for less than one year.

(vi) Rs. 5960 per month, where drawn by the employee for one year or more.

(vii) Rs. 6190 per month, where drawn by the employee for less than one year.

(viii) Rs. 6190 per month, where drawn by the employee for one year or more.

(ix) Rs. 6420 per month, where drawn by the employee for less than one year.

(x) Rs. 6420 per month, where drawn by the employee for one year or more.

Note: The basic pay mentioned in items (iii) to (x) in the Table indicates the basic pay drawn by an employee after grant of the additions to the basic pay, referred to in rule 7."

10. For rule 18 of the said rules, the following rule shall be substituted and shall be deemed to have been substituted with effect from the 1st day of November, 1993, namely :—

**"18. Provident Fund :**

(1) Every Class III or Class IV employee other than an employee on probation or an employee appointed on a temporary basis or a transferred employee of the Oriental Government Security Life Assurance Company Limited, who is contributing to the Pension Fund of that company, shall contribute every month to the Provident Fund established by the Corporation at the rate of ten per cent of his pay. The Corporation shall contribute to the Provident Fund an amount equal to the actual contribution of each such employee but not exceeding the employee's contribution :

Provided that the Corporation not be required to make any such contribution to the Provident Fund of an employee governed by the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995.

(2) Transferred employee of the Oriental Government Security Life Assurance Company Limited who are contributing to the Pension Fund of that Company, which is being continued with modifications as a separate fund for such employees only, shall be entitled to pension according to the rules applicable to that fund.

(3) Employees referred to in sub-rule (2) may, however, be permitted to contribute to the Provident Fund established by Corporation but the Corporation shall not be required to make any contribution to the Provident Fund in respect of such employees.

Explanation.—For the purpose of this rule, the provisions of sub-rule (1) of rule 4 and sub-rule (1) of rule 6 shall be deemed to have come into force on the 1st day of November, 1993."

11. In rule 19A of the said rules, on and from the 1st day of August, 1994—

- in sub-rule (1), in clause (c), for the figures and words "Rs. 80/- per month", the figures and words "Rs. 96/- per month" shall be substituted;

(ii) in sub-rule (2), in clause (a) and clause (b), for the figures and words "rupees 65 per month" and "rupees 130 per month", the figures and words "Rs. 78 per month" and "Rs. 156 per month", respectively, shall be substituted;

(iii) in sub-rule (3), for the figures and words "Rs. 130 per month" the figures and words "Rs. 156 per month", shall be substituted;

(iv) for sub-rule (4), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

"(4) The graduation allowance shall not be treated as part of basic pay :

Provided that the graduation allowance of an employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer shall count for the purpose of dearness allowance, provident fund, gratuity, house rent allowance and for refixation of salary on promotion.

(5) Notwithstanding anything contained in these rules for the period preceding the 1st day of August, 1994, the provisions of sub-rule (2), sub-rule (3) and sub-rule (4) of rule 19A of the said rules shall continue to be applicable to an employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer to the same extent and in the same manner as they would have been applicable to him had these rules not been made."

12. In rule 19B of the said rules, on and from the 1st day of August, 1994—

(i) in sub-rule (3) and in the proviso thereto, for the figures and words "Rs. 65 per month" and "Rupees 130 per month" the figures and words "Rs. 78 per month" and "Rs. 156 per month", respectively, shall be substituted.

(ii) for Sub-rule (4), the following sub-rules shall be substituted, namely :—

"(4) The graduation allowance shall not be treated as part of basic pay :

Provided that the graduation allowance of an employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer shall count for the purpose of dearness allowance, provident fund, gratuity, house rent allowance and for refixation of salary on promotion.

(6) Notwithstanding anything contained in these rules, for the period preceding the 1st day of August, 1994, the provisions of sub-rule (3) and sub-rule (4) of rule 19B of the said rules shall continue to be applicable to an employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer to the same extent and in the same manner as they would have been applicable to him had these rules not been made."

13. After rule 19C of the said rules, the following rule shall be inserted and shall be deemed to have been inserted with effect from the first day of November, 1993, namely :—

"19D. Fixed Personal Allowance :

(1) A Class III or a Class IV employee who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him or who has been in receipt of one or more additional increments referred to in rule 7 on the 1st day or November, 1993, shall be paid a fixed personal allowance on account of computerisation equal to the aggregate of the amount of the last increment drawn by him in the scale of pay applicable to him on the 1st day of November, 1993, the dearness allowance thereon as on the 1st day of November, 1993, and the amount of house rent allowance thereon, if any.

(2) A Class III or a Class IV employee who is in receipt of an increment on account of computerisation and who has reached the maximum of the scale of pay applicable to him shall be paid the fixed personal allowance referred to in sub-rule (1) on the expiry of a period of one year of reaching the maximum of the scale of pay.

(3) Fixed personal allowance, to the extent it does not exceed the amount of the last increment drawn by an employee in the scale of pay that he was on the 1st day of November, 1993, shall count for the purposes of provident fund, gratuity and for the purpose of pension payable under the Life Insurance Corporation of India (Employees) Pension Rules, 1995."

14. After rule 19D of the said rules so inserted, the following shall be inserted with effect from the first day of August, 1994, namely :—

"19E. Conveyance Allowance :

(1) Every Class III or Class IV employee, other than an employee appointed on a temporary basis, shall be paid conveyance allowance at the rate of Rupees one Hundred per month."

[F. No. 2(3)/Ins. III/96]  
C. S. RAO, Jt. Secy. (Insurance)

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government has accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of Life Insurance Corporation of India with effect from the dates specified in the notification. The Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 are being amended accordingly with effect from those dates as specified in the notification.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation of India is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note.—The principal rules were published vide G.S.R. No. 357(E) dated 11th April, 1985 and subsequently amended vide G.S.R. No. 18(E) dated 7th January, 1986, G.S.R. No. 2076(E) dated 11th September, 1986, G.S.R. No. 961(E) dated 7th December, 1987, G.S.R. 870(E) and 873(E) both dated 22nd August, 1988, G.S.R. No. 515(E) dated 12th May, 1989, G.S.R. No. 509(E) dated 24th May, 1990, G.S.R. No. 620(E) dated 6th July, 1990, G.S.R. No. 628(E) dated 10th July, 1990, G.S.R. No. 338(E) dated 11th July, 1991, G.S.R. No. 697(E) dated 25th November, 1991, G.S.R. No. 46(E) dated 4th February, 1993, G.S.R. No. 47(E) dated 4th February, 1993, G.S.R. No. 746(E) dated 13th December, 1993, G.S.R. No. 55(E) dated 2nd February, 1994, G.S.R. No. 595(E) dated 30th June, 1995 and G.S.R. No. 669(E) dated 27th September, 1995.